'समानो मन्त्रः समितिः समानी'

UNIVERSITY OF NORTH BENGAL

B.A. Honours 5th Semester Examination, 2023

DSE-P2-HINDI (502)

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

पत्र-संख्या DSE-502A प्रेमचंद और DSE-502B आधुनिक भारतीय साहित्य में किसी एक पत्र का उत्तर लिखिए। उत्तर-पुस्तिका में पत्र-संख्या उल्लेख कीजिए।

DSE-502A

प्रेमचंद

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 3×4 = 12

(क) प्रेमचंद द्वारा संपादित तीन पत्रिकाओं के नाम लिखिए।

(ख) 'शतरंज के खिलाडी' कहानी के अंतिम दृश्य को विश्लेषित कीजिए।

(ग) पुलिस के बारे में हामिद और उसके मित्रों की क्या धारणा थी ?

(घ) बुद्धू और झींगुर को अपने-अपने अपराधों से मुक्ति कैसे मिली ?

(ङ) 'मुक्तिमार्ग' शीर्षक का आशय स्पष्ट कीजिए।

(च) प्रेमचंद 'प्रगतिशील लेखक संघ' की अध्यक्षता कव एवं कहाँ की ?

2. निम्नलिखित गद्यांश से किन्हीं ***चार*** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 6×4 = 24

(क) मेरे माँ-बाप ने मुझे एक बूढे मियां के गले बाँध दिया था। उसके यहाँ दौलत थी और सब तरह का आराम था लेकिन उसकी सूरत से मुझे नफरत थी। मैंने किसी तरह छह महीने काटे, आखिर निकल खड़ी हुई। जिन्दगी जैसी नियामत रो-रोकर दिन काटने के लिए नहीं दी गई है।

(ख) ज़िन्हें धन-वैभव प्यारा है, साहित्य-मंदिर में उनके लिए स्थान नहीं है। यहाँ तो उन उपासकों की आवश्यकता है, जिन्होंने सेवा को ही अपने जीवन की सार्थकता मान लिया हो। जिनके दिल में दर्द की तड़प हो और मुहब्बत का जोश हो।

(ग) सिपाही को अपनी लाल पगड़ी पर, सुन्दरी को अपने गहनों पर और वैद्य को अपने सामने बैठे हुए रोगियों पर जो घमंड होता है, वही किसान को अपने खेतों को लहराते हुए देखकर होता है ?

(घ) बुढ़िया का क्रोध तुरन्त स्नेह में बदल गया और स्नेह भी वह नहीं, जो प्रगल्भ होता है और अपनी सारी कसक शब्दों में बिखेर देता है। यह मूक स्नेह था, खूब ठोस रस और स्वाद से भरा हुआ। बच्चे में कितना त्याग, कितना सद्भाव और कितना विवेक है।

(ङ) देश में सुव्यवस्था न होने के कारण वार्षिक कर भी वसूल न होता था। रेजीडेंट बार-बार चेतावनी देता था, पर यहाँ के लोग विलासिता के नशे में चूर थे, किसी के कानों पर जूँ न रेंगती थी।

(च) बहुत दिनों साथ-साथ रहते दोनों में भाई-चारा हो गया था। दोनों आमने-सामने या आसपास बैठे हुए एक दूसरे से मूक भाषा में विचार-विनिमय करते थे। एक दूसरे के मन की बात कैसे समझ जाता था, हम कह नहीं सकते। अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी जिससे जीवों में श्रेष्ठता दावा करनेवाला मनुष्य वंचित है।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के आलोचनात्मक उत्तर लिखिए – 12×2 = 24

(क) सेवासदन उपन्यास की मूल समस्या पर प्रकाश डालते हुए उसकी प्रासंगिकता पर विचार कीजिए।

(ख) ऐतिहासिक एवं धार्मिक परिप्रेक्ष्य में 'कर्बला' नाटक की समीक्षा कीजिए।

(ग) 'नमक का दारोगा' कहानी की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए।

(घ) प्रेमचंद की दृष्टि में साहित्य का उद्देश्य और उसकी प्रयोजनीयता पर विचार कीजिए।

अथवा

DSE-502B

आधुनिक भारतीय साहित्य

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 3×4 = 12

(क) 'आनंदमठ' उपन्यास कब प्रकाशित हूआ एवं इस उपन्यास में बंगाल के किस विद्रोह का वर्णन किया गया है ?

(ख) 'निर्भय' कविता का मूलभाव स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'भारतीय नवजागरण' से आप क्या समझते हैं ?

(घ) 'आज़ादी का एक पल्लू' कविता का मूल भाव क्या है ?

(ङ) 'सुब्रमण्यम भारती' किस भाषा के कवि हैं एवं उनके द्वारा संपादित किन्हीं दो समाचारपत्रों के नाम लिखिए।

(च) 'आनंदमठ' शीर्षक का औचित्य स्पष्ट कीजिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 6×4 = 24

(क) 'नवजागरण' में बंगाल की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'भारतीय कविता में राष्ट्रीयता का स्वरूप' विषय पर टिप्पणी लिखिए।

(ग) 'आनंदमठ' उपन्यास के पात्र महेन्द्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) 'यह है भारत देश हमारा' कविता में निहित राष्ट्रीयता के भाव पर प्रकाश डालिए।

(ङ) भारतीय साहित्य में सुब्रमण्यम स्वामी के योगदान को रेखांकित कीजिए।

(च) 'वंदे मातरम्' कविता की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 12×2 = 24

(क) 'नवजागरण' का आशय स्पष्ट करते हुए भारतीय साहित्य पर पड़े उसके प्रभावों पर प्रकाश डालिए।

(ख) राष्ट्रीयता की दृष्टि से 'आनन्दमठ' उपन्यास के कथानक की समीक्षा कीजिए।

(ग) सुब्रमण्यम स्वामी की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(घ) भारतीय साहित्य पर स्वाधीनता संग्राम के प्रभाव को रेखांकित कीजिए।

——×——